यमुना एक्सप्रेस-वे पर बनेगा डेटा सेंटर, 400 करोड़ का होगा निवेश

नियोजित क्षमता लगभग 7000 सर्वर रैक की होगी

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 19 फरवरी (ब्यूरो)।

राज्य को डिजिटल और टेक्नोलाजी हब के रूप में स्थापित करने के प्रदेश सरकार के संकल्प को एक और सफलता मिली है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में बीके सेल्स कारपोरेशन लगभग 400 करोड़ रुपए के निवेश से एक अत्याधुनिक 'हाइपरस्केल डेटा सेंटर' स्थापित करेगा। गुरुवार को यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने संस्था को डेटा सेंटर की स्थापना के लिए पांच एकड़ भूमि आबंटन के लिए पत्र सौंपा।

राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, उत्तर भारत में डिजिटल अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में यह परियोजना मील का पत्थर सिद्ध होगी। इस महत्वाकांक्षी योजना का नेतृत्व कैलटेक (कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी) के पूर्व छात्र करण गुप्ता करेंगे। पांच एकड़ के भूखंड पर स्थापित की जा रही यह 'हाइपरस्केल डेटा सेंटर' परियोजना दो अत्याधुनिक डेटा सेंटर भवनों के रूप में विकसित होगी। इसकी कुल नियोजित क्षमता लगभग 7000 सर्वर रैक की होगी। इस परियोजना में दो चरणों में करीब 400 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा तथा पूर्ण संचालन के बाद लगभग 100 योग्य पेशेवरों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। बयान में कहा गया है कि, राज्य सरकार की डेटा सेंटर नीति, निवेश-अनुकूल वातावरण और सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली के कारण प्रदेश में बड़े निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'ट्रिलियन डालर इकानमी' विजन के अनुरूप यह निवेश प्रदेश को डिजिटल नवाचार के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है। इस परियोजना में नवीकरणीय ऊर्जा समाधान, अत्याधुनिक कूलिंग तकनीक और ऊर्जा-कुशल पावर सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। इससे बिजली खपत में कमी और कार्बन फुटप्रिंट घटाने में सहायता मिलेगी। साथ ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की निकटता के कारण परियोजना को निर्बाध विद्युत आपूर्ति और विकसित फाइबर नेटवर्क का लाभ प्राप्त मिलेगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की निकटता और विकसित फाइबर नेटवर्क का मिलेगा लाभ।